- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 गया में उप राष्ट्रपति धनखड़ ने पत्नी के साथ किया पिंडदान

04 विवि हिन्दी के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है: कुलपति

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 30 सितम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 239

राष्ट्रपति ने दी महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना कानून

विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति दी

विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दे दी है। केन्द्र सरकार ने इस संबंध शुक्रवार को गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया, जिसके बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में कानून बन गया है। अब इसके अधिनियम बन जाने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस विधेयक को संसद के विशेष सत्र में पेश किया गया था, जिसे 20 सितंबर को लंबी बहस के बाद लोकसभा ने 2 सितंबर को यह विधेयक राज्यसभा में भी पास हो गया था। यह बिल संसद में पास होने के बाद विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति की सहमति मिलने यानी उनके हस्ताक्षर करने के बाद ही विधेयक कानून में तब्दील होता है। इस महिला आरक्षण विधेयक को शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति दे दी।

के मुकाबले 454 सांसदों की सहमति वाले बहुमत से पारित किया था। इसके बाद 21

हालांकि यह अधिनियम कानून तो बन गया लेकिन अभी इसकी राह में तीन और महत्वपूर्ण पड़ाव हैं, जिन्हें औपचारिक रूप से पूरा करना होगा। कानून बनने के बाद अब इसे राज्यों से भी मंजूरी मिलनी जरूरी है। अनुच्छेद 368 के अंतर्गत केंद्र के किसी कानून से राज्यों के अधिकार पर अगर कोई असर पड़ता है तो कानून बनने के लिए कम से कम 50 फीसदी राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी लेना आवश्यक होता है। एक तरह से ऐसे कानून को लागू करने से पूर्व कम से कम 14 राज्यों की विधानसभाओं से पारित कराना होगा। वैसे ये बिल कानून बनने के बाद भी नई जनगणना के बाद ही लागू हो सकेगा, क्योंकि 2021 में कोविड की महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं कराई जा सकी थी।

इसका उल्लेख केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में भी किया था। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद ही देश में जनगणना का काम शुरू होगा। जनगणना का काम पूरा होने के बाद लोकसभा और विधानसभा के सीटों का अब नए सिरे से परिसीमन कराना होगा। संवैधानिक नियमों के तहत 2026 तक इस तरह के परिसीमन पर रोक लगाया है, इसलिए परिसीमन का काम भी 2026 के बाद ही किया जा सकेगा।

कनाडा हिंसा के पक्षधर चरमपंथियों के प्रति स्वीकार्य रूख बनाए हुए हैं : विदेश मंत्री

वाशिंगटन/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज कहा कि कनाडा हिंसा का समर्थन करने वाले आतंकियों और चरमपंथियों के प्रति स्वीकार्य रूख बनाए रखे हुए हैं और उन्हें अपने यहां से काम करने दे रहा है। इसमें उसकी स्थानीय राजनीति की बड़ी भूमिका रही है। अमेरिकी यात्रा पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज हडसन इंस्टीट्यूट में नई प्रशांत व्यवस्था में भारत की भूमिका पर विषय रखा। एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच सालों से गतिरोध का बिन्दु बना हुआ है। हाल के दिनों में इसमें इजाफा हुआ है।

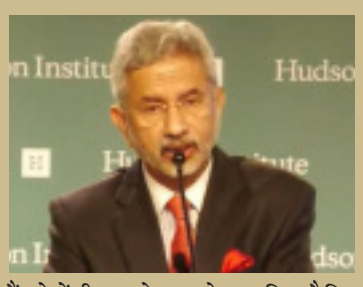

विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े आरोप पहले निजी और फिर सार्वजनिक तौर पर लगाए हैं। दोनों ही तरह से भारत ने उत्तर दिया है कि भारत की कभी इस तरह की नीति नहीं रही है। उन्होंने आगे कहा कि कनाडा के पास अगर इस संबंध में कोई विश्वसनीय जानकारी है तो वे भारत के साथ इसे साझा करें। भारत खुले मन से इस पर विचार करेगा। विदेश मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुवेलिनयन और विदेश मंत्री एंटोनियो ब्लिंकन के साथ भी कनाडा संबंधी विषयों पर चर्चा होने की बात को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि बातचीत बेहतर और प्रगतिशील चल रही है।

विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में बदलाव की मांग को भी एक बार फिर दोहराया। कहा कि सुरक्षा परिषद में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश नहीं है। यहां तक की इसमें 50 देशों वाला एक महाद्वीप नहीं है। विदेश मंत्री ने भारत और रूस के रिश्तों पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच संबंध इतने सालों में काफी उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। केवल भारत और रूस के ही रिश्ते हैं जिनमें स्थायित्व बना हुआ है। हाल में रूस के यूरोप और अमेरिका से रिश्ते काफी बिगड़े हैं।

महिलाओं के लिए भी सुरक्षित नहीं है मध्य प्रदेश : सुप्रिया श्रीनेत्र, कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं है। यहां महिलाओं के साथ सबसे अधिक दुर्व्यवहार के मामले सामने आ रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उज्जैन में बच्ची के साथ हुई दरिंदगी किसी से छिपी नहीं है। इस मामले में पुलिस की लापरवाही देखी जा सकती है लेकिन राज्य सरकार मामले को लेकर चुप्पी साधे हुए है।

श्रीनेत ने कहा कि जिस बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है वह सतना की रहने वाली है लेकिन राज्य पुलिस उसे उत्तर प्रदेश का बताती रही है। इस बच्ची को साजिशन लीपापोती कर उत्तर प्रदेश की मानसिक विक्षिप्त भिखारी बताया जा रहा था। जब वह बच्ची स्कूल से घर नहीं लौटी, तब उसके परिवार वाले सतना के पुलिस स्टेशन गए। वहां बच्ची के परिवार वालों से कहा गया कि आप यहां से जाइए और अपनी बेटी को खुद ढूंढिए। हम एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे। श्रीनेत ने कहा कि आज उस बच्ची व उसके परिजनों से कांग्रेस नेताओं ने मुलाकात की है लेकिन राज्य सरकार का कोई प्रतिनिधि अभी तक अस्पताल नहीं पहुंचा है जबकि बच्ची की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

दानिश अली ने पीएम को लिखा पत्र, बिधूड़ी पर कार्रवाई और खुद के लिए मांगी सुरक्षा

नई दिल्ली। भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी की अमर्यादित टिप्पणियों को लेकर बसपा सांसद कुंवर दानिश अली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। दानिश अली ने बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यह एक व्यक्ति नहीं बल्कि लोकतंत्र के आधार पर हमला है। बिधूड़ी पर त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि संसदीय परंपरा की अखंडता की रक्षा हो सके। दानिश ने इसके साथ ही अपने लिए सुरक्षा की भी मांग की है। तीन पेज के इस पत्र को दानिश अली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया है।

इसमें प्रधानमंत्री से अपील की है कि वे जवाबदेही तय करने के नाते रमेश बिधूड़ी पर कार्रवाई करें। उन्हें और अन्य को मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा प्रदान की जाए।

सभी संसद सदस्यों को उनकी मर्यादा की याद दिलाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। कहा कि 21 सितंबर को लोकसभा में रमेश बिधूड़ी ने उनके खिलाफ अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया था। सदन के नेता होने के नाते वे उन्हें (प्रधानमंत्री) पत्र लिख रहे हैं। बिधूड़ी की टिप्पणियों पर सत्तारूढ़ दल के किसी भी सांसद ने अभी तक विरोध नहीं किया है।

अभियान यह पहल 'स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा' 2023 अभियान की एक कड़ी है।

स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी, हर प्रयास महत्वपूर्ण: प्रधानमंत्री

बीएनएम@नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के लोगों से एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे शुरू होने वाले इस स्वच्छता अभियान में भाग लेने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और इसका हर प्रयास मायने रखता है।

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अर्बन द्वारा एक्स पर एक साझा पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे, हम एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आ रहे हैं। स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास मायने रखता है। स्वच्छ भविष्य की शुरुआत के

लिए इस नेक प्रयास में शामिल हों।"इससे पहले मन की बात के 105वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा था, "एक अक्टूबर यानी रविवार को सुबह 10 बजे स्वच्छता पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। आप भी समय पर अपने घर से निकालकर स्वच्छता से जुड़े अभियान में मदद करें।

आप भी अपनी गली, पड़ोस या किसी पार्क, तथा नदी व झील या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर भी इस स्वच्छता अभियान में शामिल हो सकते हैं।"उन्होंने कहा कि एक तारीख, एक घंटा, एक साथ अभियान गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल स्वच्छता अभियान चलाया है। यह पहल भी 'स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा' 2023 अभियान की एक कड़ी है। यह सभी नागरिकों द्वारा एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे एक घंटे 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' करने की प्रधानमंत्री मोदी की अपील का अनुसरण करता है।

गया में उप राष्ट्रपति धनखड़ ने पत्नी के साथ किया पिंडदान

नालंदा विश्वविद्यालय अपने आप में अनोखा : जगदीप धनखड़

पटना। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को बिहार के गया पहुंचे। यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ गया जिले के विष्णुपद मंदिर में पूर्वजों के मोक्ष प्राप्ति के लिए पिंडदान किया। वे तीन घंटे तक मंदिर परिसर में रहे। पिंडदान करने के बाद उप राष्ट्रपति ने 11 ब्राह्मणों को भोजन कराया। विष्णुपद प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष शंभू विट्ठल ने उप राष्ट्रपति को सम्मानित किया।

गया में पिंडदान के बाद उप राष्ट्रपति नालंदा जिले के राजगीर के लिए रवाना हो गये। वे राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शामिल हुए। उप राष्ट्रपति ने नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र और प्राध्यापक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संवैधानिक संस्था पर अमर्यादित टिप्पणी करने से हर किसी को बचना चाहिए। जो जितनी ऊंची कुर्सी पर जाता है उनमें उतनी ही सरलता आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत के नेतृत्व में जी 20 का सफल आयोजन होना सभी भारत वासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि जी-20 के 'वन अर्थ, वन फॅमिली, वन फ्यूचर' की अवधारणा नालंदा विश्विविद्यालय में देखने को मिली, जहां से वैश्विक संदेश दिया जाएगा। मैं कई विश्वविद्यालय गया हूं लेकिन नालंदा विश्वविद्यालय अपने आप में अनोखा है। आप सौभाग्यशाली हैं कि उस धरती से हैं, जिसने विश्व को ज्ञान दिया। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है।

मुझे उम्मीद है कि 2047 में भारत फिर से विश्वगुरु होगा। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के 50 छात्रों को संसद भवन, न्यू संसद भवन, भारत मंडपम तथा म्यूजियम को देखने के लिए आमंत्रित करने के साथ ही विश्वविद्यालय के साथ समझौता करने की घोषणा की है।

सिवान में दो बाइक की सीधी टक्कर में तीन की हो गयी मौत, एक की हालत गंभीर

बीएनएम@पटना

बिहार में सिवान जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सरेया चट्टी के पास दो बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में दो युवक और एक युवती है जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल है। सिवान थाना क्षेत्र के आंदर-सिवान मुख्य मार्ग पर सरेया चट्टी से 100 मीटर उत्तर दिशा में बाइक की सीधी टक्कर में दोनों बाइक चालक एवं बाइक पर दो युवती गम्भीर रूप से घायल हो गईं।

घटना के राहगीरों ने सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉ. नीतीश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। इलाज के दौरान ही दोनों युवक एवं एक युवती की मौत हो गई। इसके अलावा देइपुर निवासी धर्मेंद्र शर्मा की घायल पुत्री रागिनी कुमारी की स्थिति अब भी बहुत ही नाजुक बताई जा रही है। मृतकों में देइपुर निवासी धर्मेंद्र शर्मा का पुत्र अनीश शर्मा एवं बिंदुसार निवासी उनकी भांजी पूजा कुमारी एवं आंदर थाना के सिंगही निवासी जीवन साह उर्फ सरल अब ठीक है।

पुर्व सांसद शाहनवाज हुसैन के अच्छे स्वास्थ्य के लिए की गयी चादरपोशी

बीएनएम@भागलपुर। भागलपुर के पूर्व सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सह विधान परिषद सदस्य सैयद शाहनवाज हुसैन के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मो० सहाबुद्दीन के नेतृत्व में शुक्रवार को घुरनपीर बाबा के मजार पर चादरपोशी कर दुआ मांगी गई है।

इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मो० सहाबुद्दीन ने कहा कि हमलोग सभी कोई मिलकर सैयद शाहनवाज हुसैन के लिए दुआ मांगा गया है। कहा कि अल्लाह सैयद शाहनवाज हुसैन जी को अच्छी सेहत अता करें और लंबी उम्र अता करें। सैयद शाहनवाज हुसैन जैसा व्यक्तित्व सब में नहीं पाया जा सकता है। पूर्व जिला अध्यक्ष इम्तेयाज खान ने कहा कि हम सभी मिलकर दुआ किए हैं। हम लोगों को यकीन है की अल्लाह सैयद शाहनवाज हुसैन जी को सेहतमंद कर फिर से हम लोगों के बीच उपस्थित होंगे। इस मौके पर मो० अफसार, मो० सरफराज आलम, मामून रशीद, मो० सद्दाम, मो० राशिद हुसैन सहित कई लोग उपस्थित थे।

बिहार में अगले 48 घंटे में हल्की बारिश होने के आसार

पटना। बिहार के लोगों को कुछ दिनों में तेज धूप में उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक राज्य में एक अक्टूबर से एक बार फिर से मौसम में बदलाव की उम्मीद है।अगले 48 घंटे में बिहार के कई क्षेत्र में हल्की वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विभाग को उम्मीद है कि इस बार भी हथिया नक्षत्र में मानसून की अच्छी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 30 सितंबर को बिहार के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना व्यक्त किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार एक अक्टूबर से मौसम पूरी तरह बदल जाएगा और उत्तर बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा पटना समेत दक्षिण बिहार के ज्यादातर हिस्सों में झमाझम बारिश होगी।

बिहार को यूपी के बाद सर्वाधिक केंद्रीय सहायता मिली, कोई भेदभाव नहीं हुआ : सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं की शेष बची सहायता राशि पर ब्याज के 4000 करोड़ रुपये केंद्र को लौटाने में बिहार सरकार ने पांच महीने से ज्यादा देर की। इसलिए उसे नये वित्तीय वर्ष के लिए सहायता पाने में कठिनाई हुई। वित्तीय प्रबंधन की अपनी ही विफलता को छिपाने के लिए सरकार भेदभाव का आरोप लगती है।

सुशील मोदी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि उत्तर प्रदेश के बाद सबसे अधिक केंद्रीय सहायता बिहार को मिलती है। इसलिए भेदभाव का कोई प्रश्न ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि भेदभाव होता तो केंद्रीय करों की हिस्सेदारी के रूप में राज्य को 42000 करोड़ रुपये कैसे मिल गए? पूर्ण मद्यनिषेध लागू होने से बिहार को सालाना 7000 करोड़ की राजस्व हानि उठानी पड़ रही है लेकिन सरकार इसकी भरपाई का कोई प्रबंध नहीं कर पायी है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय योजनाओं के लिए दी गई सहायता राशि के उपयोग पर नजर रखने के लिए सिंगल नोडल अकाउंट की व्यवस्था सभी राज्यों के लिए लागू है। केवल बिहार के लिए नहीं। मोदी ने कहा कि केंद्रीय सहायता की जो राशि खर्च नहीं हो पायी, उस पर ब्याज की राशि केंद्र को चुकाए बिना अगले वित्तीय वर्ष की सहायता राशि नहीं मिलती। यह शर्त भाजपा शासित सभी राज्यों पर भी लागू की गयी है। इसमें किसी से कोई भेदभाव नहीं है।

सुरक्षा मनोज झा जी को वाई (Y) श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए।

राजद ने गृह मंत्री से लगाई गुहार, मनोज झा को जीभ से गले तक खतरा

बीएनएम@पटना

सत्तारूढ़ और बिहार विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फरियाद लगाई है। ठाकुर विवाद में राज्यसभा सांसद मनोज झा को भाजपा के अलावा अपने साथ के भी अन्य नेताओं से खतरा बताया है। सुरक्षा की मांग की है।

राजद प्रवक्ता ऋषि मिश्रा ने चिट्ठी लिखकर सांसद मनोज झा को वाई श्रेणी की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रो. मनोज झा जी को वाई (Y) श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वह सुरक्षित महसूस कर सकें। कृपया इसे गंभीरता से लेने की कृपया करेंगे। राजद प्रवक्ता ऋषि मिश्रा ने कहा कि प्रो. मनोज कुमार झा, सांसद, राज्यसभा पर जिस तरह से जानलेवा हमला करने की धमकी दी जा रही है, यह बहुत चिंता का विषय है।

धमकी देने वालों में भाजपा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने गर्दन तक काटने की बात कही है। पूर्व सांसद में तो जीभ काट कर आसन तक फेंकने तक की बात कही है। पूर्व मंत्री सह विधायक नीरज बबलू ने भी जीभ काटने की धमकी दी है। इस आक्रोश और तलखी भरे वक्तव्य से मनोज झा जी को जान को खतरा भी हो सकता है और यह मंत्रालय के संज्ञान में होगा ही।

ऋषि मिश्रा ने आगे लिखा कि आपको ज्ञात है कि जो सुरक्षा कवच में रहने वाले थे कालांतर में उन्हें भी जान गंवानी पड़ी है। प्रो. मनोज झा बुद्धिजीवी, सभ्य व शांत प्रवृति के इंसान है। वह अपने बौद्धिक वक्तव्य के कारण श्रेष्ठ सांसद का खिताब भी प्राप्त किया हुआ है। जिससे बिहार और देश का बहुतगौरव बढ़ा है। ऐसे गौरवशाली प्रतिभा के धनी व्यक्ति का संरक्षण करना भाजपा सरकार का कर्तव्य भी है।

वहीं, राजद प्रवक्ता ने कहा कि गृह मंत्री से हमारी अपील है कि वह इस मामले को बहुत ही गंभीरता से लें और राज्यसभा सांसद श्री मनोज झा जी को वाई (Y) श्रेणी की सुरक्षा प्रदान किया जाए।

शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के मुद्दे पर नीतीश पर लगाया भटकाने का आरोप:सिंहा

बीएनएम@पटना

नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने राज्य सरकार पर राज्य के शिक्षकों को बरगलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार को राज्यकर्मी के दर्जे के सवाल पर जवाब देना चाहिए। शिक्षकों के मुद्दे पर जिस तरह से सरकार ने टालमटोल करने के रवैया अपना रखा है वह इनकी जमींदारी मानसिकता को दर्शाता है। ये लोग सिर्फ जातीय उन्माद फैलाना चाहते हैं। जाति को जाति से लड़ाना चाहते हैं।

विजय सिन्हा ने कहा कि एक ओर नीतीश सरकार कह रही है कि वह राज्यकर्मी का दर्जा देगी। दूसरी तरफ उनके अवर सचिव शिक्षकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जा रहे है। इससे यह साफ दिखता है कि शिक्षा में सुधार की बजाय भटकाव की मंशा है। उन्होंने कहा कि बिहार की बड़ी आबादी जो कमजोर है। वह पढ़े-लिखे, ऐसा सरकार नहीं चाहती है। नीतीश सरकार सिर्फ उन पर शासन करना चाहती है। विजय सिन्हा ने राजद की ओर से नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री के सारे गुण मौजूद होने की बात कहे जाने पर कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री फिर से वही बनेगा जो सबकी बात करता है। देश में नरेन्द्र मोदी को छोड़कर ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है। इसलिए देश के अगले प्रधानमंत्री तीसरी बार नरेन्द्र मोदी ही बनेंगे।

मोतिहारी का लाठीमार विधायक और ठाकुर का कुंआ

बीएनएम@सागर सूरज

मोतिहारी। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरे मोतिहारी सहित पूरे बिहार मे भी राजनीतिक तपिश धीरे धीरे ही सही, लेकिन अपनी गर्माहट को प्राप्त कर रही है। राजद के मनोज झा ठाकुरों को के बारे में बोल रहे हैं तो वही आनंद मोहन, मनोज झा के जीभ को खींच लेने की बात कह रहे है। इधर मोतिहारी में अति पिछड़ा सम्मेलन मे जिला राजद अध्यक्ष सह कल्याणपुर के राजद विधायक ने बिहार राजद के उपाध्यक्ष और मोतिहारी संसदीय क्षेत्र से राजद के पूर्व उम्मीदवार विनोद श्रीवास्तव के समर्थकों को ना केवल लठियों से पीट डाला बल्कि विनोद श्रीवास्तव को खूब गाली भी दी। यहाँ तक कि विनोद श्रीवास्तव और उनके समर्थक रो- रो कर अपना दुखड़ा मीडिया कर्मियों से सुनाते नजर आए। सम्मेलन में मनोज यादव और विनोद श्रीवास्तव के बीच मंच पर आगे बैठने को लेकर विवाद शुरू हुआ फिर विधायक जी लाठी भाँजते हुए साबित कर डाला कि राजद अब कभी सुधरने वाला नहीं है।

इसी के साथ राजद के मनोज झा ने उंच नीच वाली राजनीति की शुरुआत करते हुए ओमप्रकाश वाल्मीकि की एक कविता " ठाकुरों की कुंआ " पढ़ कर राजद के 90 की दशक वाली राजनीति की शुरुआत कर दी। समाज मे कटुता शुरू हो चुका है और अंततः इसका लाभ भी राजनीतिक पार्टियां भुनाने का कार्य करेंगे। मोतिहारी के परिप्रेक्ष्य में अगर देखे तो विनोद श्रीवास्तव और मनोज यादव लोकसभा चुनाव में राजद के टिकट के दावेदार हो गए है और शक्ति परीक्षण के दरम्यान कार्यक्रम मे ही लाठी चटकाए गए। कई मंत्री और राज्य स्तर के अनेक नेता भी इस सम्मेलन में मनोज यादव के लाठी भाजने प्रदर्शन को अपनी आँखों से देखा है।

रणक्षेत्र से अति पिछड़े लोग मैदान छोड़ कर भागने मे ही अपनी भलाई समझी ऐसे मे सवाल है क्या विपक्ष आगामी लोक सभा चुनाव मे मोतिहारी भाजपा को चुनौती दे पाएगा। इधर भाजपा की गुटबाजी से मोतिहारी भाजपा काफी कमजोर हो गई है। छह बार सांसद रहे राधा मोहन सिंह के ज्यादातर योद्धा अभी राधा मोहन सिंह के विरोध मे है। विक्षुब्ध ग्रुप ने भाजपा नेता अखिलेश सिंह के नेतृत्व मे प्रधान मंत्री के जन्म दिन के बहाने राधा मोहन सिंह के विरोध का एक रथ निकाला और इस रथ का जिस तरह से गांवों मे स्वागत हुआ उससे प्रतीत होता है राधा मोहन सिंह की पकड़ ढीली हो रही है और भाजपा के कार्यकर्ताओं को कोई युवा और नया चेहरा चाहिए जो उनका नेतृत्व कर सके। राधा मोहन सिंह के बिना मर्जी के इस जिले के कोई भी नेता राज्य या केंद्र के किसी वरीय नेता से नहीं मिल सकता, जिले मे हर कार्यक्रम का निर्णय राधा मोहन सिंह खुद करते है ऐसे मे यह रथ कार्यक्रम श्री सिंह के साम्राज्य को चुनौती देने जैसा ही है। राधा मोहन सिंह भी इस चुनौती की जवाब देने की स्थिति में नहीं है।

पार्टी कह रही है चार बार सांसद रहे और 70 साल से ऊपर के उम्र के नेताओं को टिकट से वंचित किया जा सकता है। ऐसे मे राधा मोहन सिंह अपने किसी "यस मैंन को टिकट दिलवाने का प्रयास कर सकते है। राधा मोहन सिंह के सामने कल्याणपुर के पूर्व विधायक सचिन्द्र सिंह, मधुबन विधायक राणा रणधीर, मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार जैसे चेहरे हो

सकते है। इसमे सचिन्द्र सिंह से भी राधा मोहन सिंह के खटास की खबरें आ रही है। सचिन्द्र सिंह राज्य और केंद्र के नेताओं से अपने संपर्क साधने मे लगे है ताकि अगर राधा मोहन सिंह गच्चा दिए तो भी टिकट की उम्मीद बनी रहे। इधर राधा मोहन सिंह के कुनवे से बाहर ढाका विधायक पवन कुमार जयसवाल, एवं पूर्व एमएलसी बब्लू गुप्ता, ब्रावो फाउंडेशन के राकेश पांडे सहित कई लोग भाजपा के इस सीट के मजबूत दावेदार माने जा रहे है।

राधा मोहन सिंह के कथित प्रताड़ना की शिकार महिला नेत्री डॉ हेना चंद्रा की दावेदारी महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद फिर से बढ़ गई है, ऐसे मे राजद के बैठको मे लातम - जूतम और ठाकुरों और ब्राह्मणों को नीचे

दिखाने की जिस तरह से होड़ मची है, जाहीर है इसका लाभ भाजपा लेगी और राजद अगर भाजपा के वोट बैंक मे सेंध लगाने को लेकर अगर किसी स्वर्ण जाति को टिकट देगी भी तो स्वर्ण जाती के लोग राजद के इस रूप को आगे आने वाले चुनाव में कभी नहीं भूलेंगे।

वहीं, 90 के दशक मे लालू यादव ने 15 वर्षों तक मुस्लिम, यादव यानि एमवाई समीकरण बल पर बिहार मे राज किया, बैकवर्ड-फॉरवर्ड, कुर्ते के ऊपर से गंजी पहनने और भुराबाल साफ करों वाली राजनीति के बाद भी राजपूतों के एक बड़े धड़े को अपने साथ बनाए रखे। चंपारण से सीताराम सिंह, छपरा से प्रभुनाथ सिंह, उमाशंकर सिंह जैसे कई नेता लालू यादव के राज्य मे सत्ता के सुख खूब भोगे और अपनी ही जातियों को प्रताड़ति करवाकर लालू यादव के हाँथ को मजबूत किया। अन्य सवर्ण जातियों से भी लोग लालू कैबिनेट मे थे, लेकिन वे महत्वहीन थे। योगेंद्र पांडे जैसे गिनती के नेता थे, लेकिन राजपूत जाति के नेताओं की तूती बोलती थी, तब भूमिहार अपने राजनीतिक क्षरण को झेल रहे थे और या तो नरसंहार झेलते थे या फिर बदले में नरसंहार करके जेल जाते थे।

अपने सत्ता के अंतिम समय मे राबड़ी देवी के कार्यकाल मे लालू यादव ने भूमिहारों को अपने साथ जरूर शामिल किया परंतु भूमिहारों ने बाहुल्य मे लालू यादव को स्वीकार नहीं किया। भले ही कही- कही राजद के भूमिहार प्रत्याशियों ने अपनी जाति के वोट जरूर लेने का काम किया। और अब जब ठाकुरों को गालियां दी जा रही है तो लोग अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। आनंद मोहन ने तो मनोज झा की जीभ तक खींचने की बात कह डाली बावजूद इसके शिवहर से आनंद मोहन अपने परिवार के लिए टिकट महागठबंधन से ही ले रहे है।

बिहार मे एक ठाकुर थे बीर कुँवर सिंह जिसने 80 वर्ष के उम्र मे अंग्रेजों को धूल चटाने का कार्य किया। बीर कुँवर सिंह अकेले राजपूत नहीं थे, जिसने बिहार को गौरवान्वित किया है, बल्कि 16 वीं शताब्दी मे शुरुआत मे बिहार और अवध के पूर्वी क्षेत्रों के राजपूतों ने अपनी शौर्य का परिचय दिया है। पहले मुगलो फिर बाद मे अंग्रेजों से अपनी धरती को बचाने मे राजपूतों ने ही अपनी कुर्बानियां दी है।

तब भी इस भूमि पर कई जातियाँ थी, लेकिन लड़ने वाले सिर्फ और सिर्फ राजपुत या मंगल पांडे जैसे ब्राह्मण ही थे। बाकी जातियों मे इक्के –दुक्के नाम ही सामने आ सके। जाहीर है ठाकुर और ब्राह्मण तब जमींदार थे और समर्थवान भी थे। लेकिन तब और आज मे काफी फर्क पड़ चुका है। जिले मे अति पिछड़ों और दलितों से मार पीट के ज्यादातर मामले यादवों के साथ ही होते रहे है ऐसे मे ठाकुरशाही अब कहा शिफ्ट हो गया है इसको बहुत आसानी से समझा जा सकता है। छोटी मछलियों को तब भी बड़ी मछलियाँ कहा रहने देती थी और अब भी कुछ वैसा ही हाल है।

नवनिर्माण मनरेगा योजना से साढे सात लाख की लागत से डब्लूपीयू का निर्माण कराया गया है।

7.50 लाख से बने डब्ल्यूपीयू का उद्घाटन, अब कम कीमत पर उपलब्ध होगा खाद

बीएनएम@पताही

पताही प्रखंड क्षेत्र के गोनाही पंचायत गोनाही पंचायत स्थित मनरेगा कस्टम एवं 15वीं योजना के तहत 7.50 लाख की लागत से बने ठोस तरल अवशिष्ट प्रबंधन इकाई का शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सम्राट जीत, अंचलाधिकारी सौरभ कुमार, बीपीआरओ रवि भारती, तथा मुखिया गीतांजलि कुमारी ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया है।

उद्घाटन के दौरान मुखिया गीतांजलि कुमारी ने कहा कि मेरा पंचायत स्वच्छ एवं सुंदर बनेगा गली-गली साफ होंगे हर घर से सूखा एवं गीला कचड़ा संग्रह होकर कचरा घर में जमा होगा, इस कचरा से खाद बनेगा।

अब किसानों को यहां पर कम कीमत पर खाद उपलब्ध होगा, पंचायत की आय बढ़ेगी। उन्होंने ने कहा कि 15वीं वित्त आयोग, खस्टम एवं मनरेगा योजना से साढे सात लाख की लागत से डब्लूपीयू का निर्माण कराया गया है। सभी वार्ड से स्वच्छताकर्मी सूखा एवं गीला कचरा को लेकर यहां पर आते हैं। जहां अन्य सुरक्षा कर्मी इसका वर्गीकरण करके अलग-अलग खटाल में जमाके रखते हैं।

यहां पर उपलब्ध गीला कचरा से वर्मी कंपोस्ट का खाद बनाया जाएगा। वहींस्थानीय किसानों को निर्धारित न्यूनतम दर पर खाद उपलब्ध कराया जाएगा। इससे पंचायत की आमदनी बहुत तेजी से बढ़ेगी। पंचायत रोग मुक्त होगा। इस मौके पर बीडीओ सम्राट जीत, सीओ सौरभ कुमार, बीपीआरओ ग रवि कुमार भारती, कार्यक्रम पदाधिकारी आलोक झा, मनरेगा जेई संजीव कुमार, मुखिया गीतांजलि कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि रामसहायक यादव उर्फ दरोगा जी, पंचायत रोजगार सेवक दिवेश कुमार, प्रखंड समन्वयक स्वच्छता, विभागीय अभियंता सहित पंचायत कर्मी वार्ड सदस्य सहित सभी स्वच्छताकर्मी भी उपस्थित थे।

मखुवा में डूबने से 16 वर्षीय एक युवती की हो गयी मौत

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के हरपुर राय पंचायत के ब्रहा टोला वार्ड 05 में एक 16वर्षीय किशोरी का मौत मखुवा में डूबने से शुक्रवार को हो गई। मृतिका हरपुर राय निवासी सीताराम प्रसाद ड्राइवर की पुत्री मनीषा कुमारी बताई गई हैं। मनीषा गुरुवार की शाम से घर से गायब थी, परिवार वालो ने काफी खोजबीन किया। परंतु कही नही मिली, शुक्रवार को सुबह ग्रामीणों में मखुवा नदी की ओर खोजने निकले तो देखे की मनीषा की शव पानी के ऊपर दिखाई दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दिया। शव मिलने की खबर आग की तरह गांव में फैल गई। शव को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। खबर मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष रविरंजन ने पीएसआई अमित कुमार रंजन एवं एएसआई उमेश पासवान को घटना स्थल पर भेजा। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाला गया।

विवि हिन्दी के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है: कुलपति

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी की विवि स्तरीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राजभाषा प्रकोष्ठ तथा हिंदी विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़ा 2023 के समापन के अवसर पर 'हिंदी का भविष्यः चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक व विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हिंदी बोलचाल की भाषा के रूप में लगभग एक हजार वर्षों से विद्यमान है। चूंकि, विवि हिन्दी प्रदेश में स्थित है इसलिए हिन्दी के विकास का कार्य करना हमारा कर्तव्य है।

विवि हिन्दी विभाग तथा राजभाषा प्रकोष्ठ के माध्यम से ही हिन्दी के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर वीडियो माध्यम से जुड़े भारत सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान लोकसभा सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि वर्तमान सरकार ने हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। हिंदी एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा है। इसकी सहजता और सरलता सबको प्रिय है। साहित्य से आगे बढ़कर हिंदी ज्ञान विज्ञान की भाषा बने, यह हम सभी का प्रयास होना चाहिए। समारोह में अभासी मंच से जुड़े कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमेरिका के यूनिवर्सिटी आफॅ इलिनॉय, अरबाना-शैम्पेन के भाषा विज्ञान विभाग के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. मिथिलेश मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषाओं के ज्ञान से बौद्धिक विकास होता है। हिंदी में संभावनाएं अनंत है। हिंदी का भविष्य उज्जवल है लेकिन इसके लिए अभी परिश्रम करना शेष है। हमें हिंदी के साथ अन्य भाषाओं से भी प्रेम करना आना चाहिए और निश्चित रूप से हमें एक अन्य भाषा भी सीखनी चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आभासी मंच से जुड़ी बुल्गारिया के सोफिया विश्वविद्यालय की विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. कंचन शर्मा ने कहा कि हिंदी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने से यह मजबूत होगी। आम जनता ने तो हिंदी को राष्ट्रभाषा मान ही लिया है। कार्यक्रम के संरक्षक और मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो.प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति की वाहिका है। यह हमारी प्रतिनिधि भाषा है।

आंगनबाड़ी सहायिकाओ ने राज्य कर्मी दर्जा को लेकर प्रखंड मुख्यालय पर दिया धरना

हरसिद्धि। आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ के आह्वान पर अपने राज्य कर्मी के दर्जा एव अपने अन्य मांगों को लेकर प्रखंड मुख्यालय के बाल विकास परियोजना कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को धरना प्रदर्शन किया। धरना का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष प्रमिला देवी ने की। मौके पर उपस्थित अध्यक्ष प्रमिला देवी ने बताई की सरकार हम लोगों के साथ गद्दारी कर रही है। हम लोग जब तक सरकार राज्य कर्मी की दर्जा नहीं दे देती है तब तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर रहेंगे।

उन्होंने बताया कि सरकार अन्य कर्मियों के भांति हम लोगों को भी राज्यकर्मीकी दर्जा दें और अच्छे से काम करावे। उन्होंने बताई की सरकार आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाओ के साथ सौतेलापन व्यवहार कर रही है, पहले भी कई बार हम लोगों ने धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार को आगाह कर चुकी हूं, परंतु सरकार के द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं निकली। जिसको लेकर आंगनबाड़ी सेविका सहायिका के संघ के बैनर तले अनिश्चितकालीन हड़ताल का घोषणा कर दिया गया है, उन्होंने बताई की प्रखंड विकास पदाधिकारी और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को अपने मांगों का अल्टीमेट देकर सरकार को सूचना देने की मांग करेंगे। मौके पर महासचिव राजेश सिंह, उपाध्यक्ष उर्मिला देवी, कोषाध्यक्ष मधुबाला देवी, मंजु देवी, सरोज कुमारी, सुधा देवी, कुमारी सीमा रानी, नसीमा खातून, सावित्री प्रसाद, प्रमिला कुमारी, सपना देवी, बिभा देवी, बिंदु देवी, सुनिता देवी, रुबी कुमारी इत्यादि प्रखंड क्षेत्र के सभी सेविका सहायिका धरना में शामिल हुई।

मानव, शराब, सुरक्षा की तस्करी को रोकने के लिए SSB एवं APF नेपाल की हुई बैठक

बगहा। सशस्त्र सीमाबल 21वीं वाहिनी के बी कंपनी तथा नेपाल के एपीएफ नवल परासी और चितवन के बीच कमांडेंट स्तरीय बैठक गंडक बराज सीमा चौकी कैंप परिसर में शुक्रवार की दोपहर हुई। जिसकी अध्यक्षता एसएसबी 65 वीं वाहिनी के कार्य वाहक कमांडेंट अच्युत सिंह ने किया। बैठक में कहा गया है,कि भारत-नेपाल में मैत्री संबंध बना रहेगा। साथ में दोनों देशों के अधिकारी मिलकर मानव एवं शराब तस्करी,सुरक्षा, नक्सल विरोधी, नारकोटिक्स वन उत्पाद, वन जीव उत्पाद, बाढ़ आपदा और अन्य निषिद्ध वस्तुओं की तस्करी से संबंधित जानकारी साझा करने तथा रोकने के लिए दोनों देशों के तरफ से अच्छी प्रयास होनी चाहिए।

सीमा पर अपराधियों को रोकने के लिए सूचना साझा कर आदान-प्रदान करेंगे। अगर कोई भी संदेह के घेरे में आ रहा है,तो उसे तुरंत पकड़ कर पूछताछ किया जाय, ताकि वैसे अपराधियों पर नकेल कसा जा सके। बैठक के दौरान नेपाल और भारत के बीच मैत्री पूर्ण खेल का आयोजन को लेकर चर्चा किया गया। बैठक में आगे कहा गया है कि वैसे लोगों पर भी नजर रखना है, जो अपराधी प्रवृत्ति के हैं। बैठक में नकेल कसने के लिए कई रणनीति बनाई गई है। इस बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों के आपसी सहयोग बनाये रखेंगे। भारत-नेपाल के बीच पुरानी संस्कृति साझेदारी है। हमें इसे वर्तमान में और अधिक मजबूत एवं प्रगाढ़ बनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर एसएसबी की ओर से 65वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट अच्युत सिंह रहे।

चम्पापुर पंचायत में जनसंवाद का हुआ आयोजन

सभी अधिकारियों ने अपने अपने विभाग के बारे में दिया जानकारी

बीएनएम@रामगढ़वा

बिहार सरकार के निर्देश पर पंचायतों में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को चम्पापुर पंचायत भवन में बीडीओ मोहम्मद सज्जाद की उपस्थिति में तथा मुखिया पति शमशुल जोहा अंसारी की अध्यक्षता में हुई। जनसंवाद को सम्बोधित करते हुए बीडीओ मोहम्मद सज्जाद ने कहा कि इस जनसंवाद का आयोजन मुख्य रूप आम लोगो के बीच लोक कल्याणकारी योजनाओं को जानकारी देनी है व लोगो को इस बारे में जागरूक करना है।

बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार ने कहा की पंचायतो में दो तरह की राशि पंद्रहवी तथा कष्टम की राशि से विकास होती है। वही सीओ मणिभूषण कुमार ने भूमि से सम्बंधित दाखिल खारिज, व परिमार्जन तथा आधार से जमाबंदी में लिंक कराने की जनक़्क़री दी गयी है।

वही जनसंवाद के दौरान पीएम आवास, राशन, किरासन, नलजल, गली नाली सहित सरकार द्वारा प्रायोजित सभी कार्यक्रमो की मुख्य जानकारी दी गयी है। वही मनरेगा पीओ अमृतेश कुमार द्वारा मनरेगा से संचालित सभी योजनाओं की जानकारी दी गयी। जनसंवाद के दौरान उपस्थित लोगों से सुझाव भी मांगे गए है। वहीं, इस कार्यक्रम के दौरान मुखिया पति शमशुल जोहा अंसारी व पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों द्वारा शाल तथा बाल का पौधा देकर सम्मानित भी किया गया है। इस मौके पर विधायक ई शशि सिंह, एमओ रंजन कुमार, मजिस्ट्रेट रवि कुमारी, जीविका कर्मी, प्रमुख पति श्रीकांत दुबे सहित सभी विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

जनसंवाद कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य है हम आप सब के साथ संवाद स्थापित करे और बाते भी सुने की क्या परेशानी है क्या सुझाव है।

मुख्यमंत्री जन संवाद कार्यक्रम में सरकार के द्वारा दी जाने वाली योजनाओं की दी गई जानकारी

पताही। पताही प्रखंड के दो पंचायत पताही पूर्वी एवम गोनाही में शुक्रवार को पंचायत सरकार भवन में मुख्यमंत्री जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीओ नलिन प्रताप राणा ने किया। अध्यक्षता करते हुए नलिन प्रताप राणा ने लोगो को सरकार के द्वारा आयोजित होने वाली योजनाओं की जानकारी दी एवम सरकार के द्वारा आयोजित होने वाली योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगो को प्रेरित किया। लोगो की समस्याओं को सुनकर उन्होंने संबंधित अधिकारी को मामले का तुरंत निष्पादन करने का निर्देश दिया।

जन संवाद कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी नलिन प्रताप राणा ने जनता से सीधा संवाद किया। जन संवाद के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी ने लोगों से उनकी ग्राम पंचायत में होने वाले विकास कार्यों साफ-सफाई आदि के बारे में पूछा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी नलिन प्रताप राणा ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य है हम आपसब के साथ एक संवाद स्थापित करे और आपकी बाते भी सुने क्या परेशानी है क्या सुझाव है और हमारी तरफ से जो योजनाएं चल रही है उन योजनाओं के सबंध में भी हम आपको पूरी जानकारी दे ताकि जो लोग इससे अवगत नहीं है या इसके बारे में जानकारी नहीं है उनको भी उन योजनाओं के बारे में पता चले। वही पताही पूर्वी के मुखिया कृष्ण मोहन सिंह के द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि 2 अक्टूबर को ग्राम सभा मे जिन लोगो का बृद्धा पेंशन, तथा विधवा पेंशन आदि कोई समस्या हो तो पंचायत भवन में आकर अपनी समस्या का समाधान करवा सकते है। वही गोनाही मुखिया प्रतिनिधि राम सहाय राय उर्फ दरोगा जी के द्वारा पंचायत में यह बात कही।

किसानों को हो रही तमाम समस्या को लेकर पंचायत मे ट्यूबवेल का निर्माण, मनरेगा में सुधार, स्कूल में सुधार, बिजली में सुधार आदि अनेको समस्या का मुद्धा भी बड़ी सहजता से उठाया गया। वही इस कार्यक्रम में पताही पूर्वी के मुखिया कृष्णमोहन सिंह, गोनाही मुखिया गीतांजलि कुमारी, प्रखंड पदाधिकारी सम्राट जीत, अंचलाधिकारी सौरव कुमार, तथा मनरेगा के पीओ आलोक झा, बीपीआरओ रवि भारती, मनरेगा जेई संजीव कुमार, एवं मनरेगा पीआरएस दिवेश कुमार सहित आदि अनेको अधिकारी मौजूद रहे।

BORDER NEWSMIRROR

Saturday 30 September 2023

Editorial

सनातन धर्म भारत की आत्मा है

सनातन धर्म को खलनायक साबित करने का षड्यंत्र चरम पर है। भारत में तमाम राजनीतिक दल सनातन धर्म को जातीय मतभेदों की वजह करार दे रहे हैं। उसे समाज को तोड़ने वाला बता रहे हैं। लेकिन शायद वे यह भूल रहे है कि फुनगियों के आधार पर जड़ आकलन संभव नहीं है। सनातन धर्म तो भारत की आत्मा है। यह भारत ही नहीं, दुनिया का पहला धर्म है। धरती का पहला धर्म है। धर्म धरती का पहला पुत्र है और कर्म दूसरा। हालांकि धर्म और कर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों का अस्तित्व एक दूसरे पर टिका है। भगवान शिव को धर्म की जड़ कहा गया है। मूलं धर्मतरोर्विवेक जलधे पूर्णेन्दु मानंददं वैराग्याम्बुजभास्कर ह्यघधनंध्वान्तापहमतापहम। मतलब धर्म रूपी वृक्ष की जड़ भगवान शिव हैं। वे विवेक के समुद्र हैं और परम आनंददायी पूर्ण चंद्रमा हैं। सनातन धर्म मनुष्य ही नहीं, प्राणिमात्र के कल्याण की कामना करता है। जो धर्म मनुष्य, यक्ष, कन्नर, गंधर्व, देव,दनुज, नाग, नग, नदी, नद, तालाब सबके संरक्षण और परितृप्तीकरण की कामना करता है। जिस देश में आदि शंकराचार्य ईश्वर से प्रार्थना करते वक्त अपने लिए कुछ मांगते ही नहीं, वे दुख संतप्त प्राणियों के कल्याणकी अभ्यर्थना करते हैं। नतोहं कामये राज्यं न सौख्यं न पुनर्भवम। कामये तुखतप्तानां प्राणिनाम आर्त नाशनम। उस सनातन धर्म पर इस तरह का लांछन बर्दाश्त के काबिल नहीं है। सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जो प्राणिमात्र की सुख शांति की कामना करता है। सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया:। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुख भाग भवेत। अपुत्रा पुत्रिण: सन्तु, पुद्धिण: सन्तु पौत्रिण:। निर्धना: सधनासन्तुजीवन्तु शरदां शतं। जो सबके मंगलकी कामना करता है, वह सनानतन धर्म है। जो हिंस्र जीवों के भी संरक्षण का तरफदार है, वह सनातन धर्म है। सत्य और यज्ञ को धर्म कहा गया है। सदाचरण और मर्यादा की पराकाष्ठा धर्म है। कोई भी ऐसा ग्रंथ नहीं जो सनातन धर्म को नकारता हो।

बाघ परियोजना...पांच दशक, बड़ी कसक

डॉ. रमेश ठाकुर

भारत में बाघ परियोजना मुहिम ने अपने 50 साल पूरे कर लिए । पूरे देश में कुल 53 टाइगर रिजर्व क्षेत्र हैं, लेकिन अफसोस इनमें कुछ बाघ रिजर्व क्षेत्र ऐसे हैं जहां एक भी बाघ नहीं हैं? ये हम नहीं, बल्कि पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़ों ने बताया है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की माने तो गुजरे चार वर्षों में देश भर में 715 बाघों की संख्या बढ़ी। इस समय कुल 3682 बाघ देश में हैं। इसके साथ ही ये भी बताया गया है कि तेलंगाना का कवल टाइगर रिजर्व, मिजोरम का डम्पा टाइगर रिजर्व क्षेत्र, अरुणाचल प्रदेश का कमलेंग, ओडिशा का सतकोसिया और सहायद्री स्थित बाघ रिजर्व क्षेत्र एकदम बाघ हीन हैं, वहां बाघ विलुप्त हो गए हैं। कुछ असमय मर गए, तो कुछ शिकारियों के शिकार हो गए। हालांकि शिकारियों के हाथों मरे बाघों के संबंध में रिपोर्ट में नहीं बताया गया है। पर, ये तल्ख सच्चाई है जिसे सरकार भी मानती है कि इस वक्त पूरे देश में बाघों का शिकार करने के लिए संगठित गिरोह सक्रिय है। इनका डेरा टाइगर रिजर्व क्षेत्रों के आसपास ज्यादा है। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाघ, शेर, चीते व अन्य जंगली जानवरों के अवशेषों की भारी डिमांड रहती है। ऐसी खबरें भी कई मर्तबा आती हैं कि इनके इन कुकर्मों में फॉरेस्ट कर्मी भी शामिल पाए गए। गौरतलब है कि वनजीव संरक्षण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा सरकारी बजट बीते पचास सालों में बाघों के संरक्षण पर खर्च किया गया। उस हिसाब से देखें तो बाघों के बढ़ोतरी के आंकड़े उतने तसल्ली नहीं देते, जितने देने चाहिए। सालाना करीब 10 से 12 करोड़ रुपये देश के विभिन्न टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण के लिए खर्च किया जाता है। एक और दुखद खबर है जो बाघ प्रेमियों को खासी चिंतित कर सकती है। दरअसल, कुछ बाघ रिजर्व ऐसे हैं जिनमें मात्र एक-एक ही बाघ शेष बचे हैं। उनमें बंगाल का बक्सा टाइगर रिजर्व, नामदफा रिजर्व, राजस्थान का रामगढ़ विषधारी क्षेत्र, छत्तीसगढ़ का सीतानदी और झारखंड का पलामू टाइगर रिजर्व शामिल हैं। इसके अलावा दर्जन भर टाइगर रिजर्व ऐसे हैं जिनमें भी बाघों की संख्या बस 3 या 4 के आसपास ही बची है। मध्य प्रदेश अब भी प्रथम स्थान पर काबिज है जिसे टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश बाघ संरक्षण के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। लेकिन वहीं जब चीतों के संरक्षण की नजर दौड़ती है तो ये तथ्य अपने आप में झूठे लगते हैं, वो इसलिए, कि नामीबिया और आस्ट्रलिया से लाए गए चीते भी कूनो नेशनल पाके में ही छोड़े गए थे जिनमें अधिकांश अब दम तोड़ चुके हैं। हिंदुस्तान में बाघ अभ्यारण्य मुहिम सन 1973 में लागू हुई थी जिसे 'प्रोजेक्ट टाइगर' का नाम दिया गया था। जिम्मेदारी 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' के कंधों पर रखी गई थी। सन 2018 तक कुल भारत में 50 टाइगर रिजर्व क्षेत्र हुआ करते थे जिसे तीन वर्ष पहले बढ़ाकर 53 कर दिए गए हैं। बढ़ाने के पीछे की मंशा बाघों की संख्या में और इजाफा करना था। हालांकि कुछ जगहों पर बाघों की संख्या अपने आप बढ़ी, उसी को देखते हुए जहां बाघों की चहलकदमी दिखी, सरकार ने उसे बाघ रिजर्व घोषित कर दिया। जबकि, ये बाघ ऐसे थे जो अपना रास्ता भटककर जहां-तहां पहुंचे थे। बाघों की गिनती को लेकर भी कई बार विरोध होता है। पर्यावरणविद् कहते हैं कि बाघों की गणना सही तरीके से नहीं होती। उनकी मांगों को ध्यान में रखकर 2018 में केंद्र सरकार ने आधुनिक तरीकों से बाघों की गणना करवाई, जिसका नजीता ये निकला बाघों की संख्या देशी गणना वाले तरीकों के मुकाबले बढ़ी हुई सामने आई।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

कनाडा जाना बंद करें बच्चे, होश आ जाएगा ट्रूडो को

आर.के. सिन्हा

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जिस बेशर्मी से अपने देश के खालिस्तानी आंदोलनकारियों को समर्थन देना शुरू किया है उससे दोनों देशों के संबंध तार-तार जैसे हो गए हैं। भारत-कनाडा संबंधों को मजबूती देने का काम तो भारत से हर साल वहां पर पढ़ने के लिए जाने वाले हजारों-लाखों नौजवान करते रहे हैं। जाहिर है, भारत का आमजन कनाडा के प्रधानमंत्री के रुख से बहुत खिन्न है। भारत ने अपने कूटनीतिक जवाब में कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा देने पर रोक लगा दी है। दूसरी ओर जो भारतीय छात्र कनाडा जाकर पढ़ना चाहते थे, वो अब ऐसा करने से स्वयं बच रहे हैं। इसकी वजह से भी दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हुआ है। विदेश में पढ़ने जाने के लिए मदद करने वाली एक कंसल्टेंट कंपनी का कहना है कि इसी वर्ष हमारे पास 65 ऐसे छात्र आए थे, जो कनाडा पढ़ने के लिए जाना चाहते थे। लेकिन, अब उन्होंने अपना फैसला बदल लिया है। इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि भारत से हरेक साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि देशों में क्यों चले जाते हैं? यह सवाल कनाडा में जो भारत को लेकर हो रहा है उस रोशनी में पूछ जाना चाहिए। वहां जो कुछ भी घटित हो रहा है उससे पहले ही भारतीयों के साथ हिंसा के मामले सामने आने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय अपनी एडवाइजरी जारी कर चुका है। विदेश मंत्रालय भारत में कनाडा के उच्चायोग से इन घटनाओं को कनाडा के अधिकारियों के साथ उठाने व उनकी सही जांच करवाने के लिए भी कई बार कह चुका है। यह भी सच है कि कनाडा में घृणा अपराधों, सांप्रदायिक हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाओं में तो निश्चित रूप से वृद्धि हुई है। भारत के लाख कहने के बावजूद कनाडा सरकार वहां पर जा बसे, या रह रहे भारतीयों को सुरक्षा प्रदान नहीं करवा पा रही है। कनाडा में अब भी हजारों या यूं कहिये कि लाखों भारतीय नौजवान पढ़ रहे हैं। अब उन्हें अपने भविष्य की चिंता सता रही है। उपलब्ध आकड़ों के अनुसार साल 2018-19 के दौरान ही 6.20 लाख विद्यार्थी पढ़ने के लिए देश से बाहर गए थे। ये आंकड़े मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने ही जारी किए थे। ये अधिकतर स्नातक की डिग्री लेने के लिए ही कनाडा या किसी अन्य देश का रुख करते हैं। स्नातकोत्तर की डिग्री लेने के लिए बाहर जाने वाले अपेक्षाकृत कम ही होते हैं। पर मूल बात यह है कि हर साल इन विद्यार्थियों के अन्य देशों में जाने के कारण देश की अमूल्य विदेशी मुद्रा भी देश के बाहर चली जाती है। इन लाखों विद्यार्थियों के लिए देश को अरबों रुपया अन्य देशों को देना पड़ता है वह भी विदेशी मुद्रा में। अगर कोई विद्यार्थी वास्तव में किसी खास शोध आदि के लिए अमेरिका की एमआईटी या कोलोरोडो जैसे विश्वविद्लायों में दाखिला लेता है तो कोई बुराई भी नहीं है। आखिर अमेरिका के कुछ विश्वविद्यालय अपनी श्रेष्ठ फैक्ल्टी और दूसरी सुविधाओं के चलते सच में बहुत बेहतर हैं। यही बात ब्रिटेन के आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे विश्वविद्लायों के संबंध में भी कही जा सकती हैं। इनमें बहुत से अध्यापक नोबेल पुरस्कार विजेता तक हैं। इसलिए इनमें दाखिला लेने में तो कोई बुराई नहीं हैं। लेकिन अगर हमारे बच्चे होटल मैनेजमेंट या एमबीए या सामान्य स्नातक डिग्री जैसे कोर्सज के लिए कनाडा, यूक्रेन और चीन जाएं तो बात गले से नहीं उतरती। सच पूछा जाए जाए तो इसका कोई ठोस कारण भी समझ नहीं आता। फिर यह भी एक तथ्य है कि विदेशों में पढ़ाई के लिए जाने वाले बच्चों को अनेक अवसरों पर घोर कष्ट भी होता है। उन्हें कई बार विदेशी विश्वविद्यालय सब्जबाग दिखा कर अपने पास बुला लेते हैं। जब हमारे बच्चे विदेशों में जाते हैं, तो उन्हें कड़वी हकीकत दिखाई देती है। हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इन बच्चों के अभिभावकों ने भी एजुकेशन लोन के नाम पर बहुत मोटा लोन ले लिया होता है जिसे उन्हें दो दशक तक चुकाते रहना पड़ता है ।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

फादर्स डे पर विशेष

महसूस होते पापा

हिमाद्री वर्मा डोई, जयपुर राजस्थान

पापा पता है सभी पिता दिवस मना रहे हैं और मुझे पिता के लिए कुछ लिखना है। शब्द सीमा दी गई है लेकिन आपका प्यार तो असीमित है उसे सीमा में कैसे बांधा जा सकता है। आपने हमें जितना स्नेह, अपनापन और निशुल्क सेवाएं दी उन सबका मोल तो हम लोग सात जन्म लेकर भी चुका नहीं सकते।

स्वार्थ से भरी इस दुनिया में दूसरी बार भी बेटी होने पर लोग अपनी ही औलाद से मुंह मोड़ लेते हैं लेकिन आपने तो मुझ पर अपार स्नेह बरसाया। मेरा और बड़ी बहन का हर बार जन्मदिन धूमधाम से मनाया। बेटियों को बेटों से भी अधिक लाड़ प्यार से पाला , शिक्षित किया। मम्मी के स्वर्गवास हो जाने पर तो आपने दोहरी भूमिका निभाई । लोगों को अपनी मम्मी के बनाये खाने का स्वाद याद रहता है लेकिन पापा हमें तो मम्मी के हाथ के खाने के साथ साथ आपके हाथ की बनाई खीर, पनीर, चावल, कढ़ी और तमाम हरी सब्जियां याद आती हैं जिन्हें आप खुद ही काटकर बनाते और हमारे हाथ से सब्जियां ये कहकर ले लेते कि तुम्हारे अंगूठे पर चाकू से कटने के निशान ना हो जाए तब हम कितनी बार कहते थे कि पापा हम अपने घर पर भी तो सब्जी काटते हैं ना। लेकिन आप फिर भी हमारी एक नहीं सुनते।

पापा हमें तो मम्मी के हाथ के खाने के साथ साथ आपके हाथ की बनाई खीर, पनीर, चावल, कढ़ी और तमाम हरी सब्जियां याद आती हैं जिन्हें आप खुद ही काटकर बनाते और हमारे हाथ से सब्जियां ये कहकर ले लेते कि तुम्हारे अंगूठे पर चाकू से कटने के निशान ना हो जाए तब हम कितनी बार कहते थे कि पापा हम अपने घर पर भी तो सब्जी काटते हैं ना। लेकिन आप फिर भी हमारी एक नहीं सुनते।

सच में पापा आपके जाने के बाद आपकी वही बातें सुनने का बहुत मन होता है। घर वहीं हैं, परिवार भी है सभी प्यार से रहते हैं लेकिन आप नहीं हो लेकिन हर पल महसूस होते हो।

पापा आपसे यही कहूंगी –

पापा पइयां बोल प्यार से चलना सिखाया
तुतली जुबान समझ के समझदार बनाया
घोड़ा बन कर खेल खिला कर लाड़ लड़ाया
पैरों के झूले पे बचपन झूला खूब झुलाया
स्नेह निवाला चूर चूर कर घी बूरा खिलाया
लोरियां सुना थपकियां देकर पेट पे सुलाया
सुख में दुख में हर हाल में सदा साथ निभाया
श्रेष्ठ पिता बन अपना जीवन दायित्व निभाया।।

बेटी का खत पापा के नाम

आदरणीय पापा,

पितृदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

क्या कहुँ पापा एक आप और माँ है। ऐसे शब्द और ऐसे परमात्मा है, की जिनका वर्णन किया ही नहीं जा सकता है, न ही कोई कर पाया है। बहुत गुसा हुए हैं आप, मारे है मगर उसमे भी मेरे लिए अच्छाई है और प्यार है।

कभी कभी नाराज़ हो जाती हूँ मगर सच कहुँ की आपसे प्यार करती हूँ पापा तभी आपकी छोटी से छोटी बात भी दिल पर एक कांटे के तरह चुभती है। मेरे लिए तो आप और माँ ही मेरी पूरी दुनिया है, मेरा पूरा जहान है, आपके लिए जान भी ख़ुशी -ख़ुशी हाजिर है।

हमेशा आप स्वस्थ और खुश रहे, साथ और पास रहे, आपका आशीर्वाद और प्यार रहे यही कामना है मेरी आपसे और ईश्वर से।

मुझे पता है आप भी गुसा हो जाते हो मगर दिल में उतना दुखी भी होते हो। मगर आपकी कमी और आपका प्यार कोई भी दुनिया का पूरा नहीं कर सकता है। आप है तो में हूँ, आप है तो मेरी दुनिया सजी है। आपके बिना में कुछ नहीं हूँ। माँ घर की निफ,तो पिता घर का छत है।माँ मान,तो पिता सम्मान है।

आपकी प्यारी बेटी,जानभी।

राजीव डोगरा

जीवंत पंथ

आते रहेंगे
जाते रहेंगे
जीवन का गीत
गाते रहेंगे।
जीतेंगे कभी
हारेंगे कभी
मगर जीवन के पथ
पर चलते रहेंगे।
आशा भी आएगी
निराशा भी आएगी
मगर जीवन के पथ
पर जीवंत रहेंगे।
अच्छे भी मिलेगे
बुरे भी मिलेगे
मगर फिर भी सबका सहयोग
करते करती चलेंगे।

(भाषा अध्यापक),
राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
गाहलिया

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा

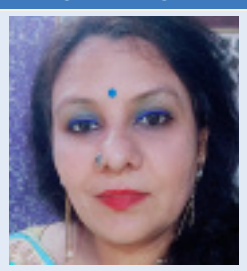

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गवाने का जरा भी

मिलती नही यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

वैदेही कोठारी

रोहित जोर से चिल्लाया मां... ! कब तक मोबाईल पर रील्स देखते रहोगे..... ? मुझे भूख लगी है, खाना दो....न...।

- हां बस दो मिनीट में देती हूं।

रोहित की मां सविता फिर रिल्स देखने लगी....। रोहित ने अपने हांथ से ही खाना निकाल कर खा लिया। रोहित कक्षा नाइन्थ में पढ़ने वाला सबसे होशियार छात्र होने के साथ साथ खेल कूद में भी आगे था। रोहित के दोस्तों की संख्या भी कम नही थी। सबके साथ हंसी-मजाक मस्ती में रहता। घर पर भी सबके लाड़ का बेटा था। क्योंकि एक ही बेटा होने के नाते घर के सभी सदस्यों का आंख तारा था। रोहित जब भी घर होता उसकी मां मोबाईल पर ही लगी रहती..।

कई बार वह अपने स्कूल के दोस्तों की बात मां को बताता.., किन्तु मां अपने मोबाईल में ही... रहती...।

रोहित क्या बोलना चाहता हैं? सविता को इससे कोई मतलब नही...। उसकी आंखे तो सिर्फ मोबाइल में ही टिकी रहती थी। धीरे धीरे अब सविता का एडिक्शन और बढ गया। वह भी अब रील्स बनाने लगी....,। रोहित सोशल साइड का ज्यादा शौकीन नही था। हां,पर कभी कभी मोबाईल स्वेप कर देखता .,।

फिर बंद करके अपने खेल या पढाई में लग जाता था । एक दिन ऐसे ही मोबाईल स्वेप करते करते उसकी मां का विडियो देख हंसने लगा..। रोहित हंसते हुए बोला....., मां अब तुम भी विडियों बनाने लगी हो, मां मुस्कुराते हुए बोली कैसी लगी ..?

रोहित बोला - मां सब समय बर्बाद करने वाली चीज है..., तुम इतनी अच्छी सिलाई करती हो..., वह करो ..?, उसमें तुम को पैसा भी अच्छा मिलता है। मां तुरंत बोली- हां रोहित, पर पैसे तो इसमें भी मिलते हैं।

कहानी: से...सी बॉम्ब

रोहित के कई दोस्त मोबाईल के शौकीन थे..। वह कई बार रोहित को भी रील्स देखने के लिए फोर्स करते किंतु रोहित देखने से मना कर देता..,। दोस्तों की जिद्द से कभी कभी देख भी लेता था । रोहित के एग्जाम भी नजदीक आ गए थे..। वह अपनी पढ़ाई को लेकर ज्यादा सिरियस रहता। अब वह नियमित स्कूल जाता पढाई करता।

- पर मां आप ऐसे, कुछ भी तरीके से बनाने की जगह सिलाई के रील्स बनाओ कुछ लोग सीखेगें भी, मां बोली अरे बेटा !

उसमे इतना नाम नही कुछ लोग ही देखते हैं। लेकिन जो मैने रील्स बनाई अधिकतर लोग देख रहे हैं। रोहित चुप रह गया। दूसरे कमरे में जाकर पढ़ाई करने बैठ गया।

रोहित जब भी घर आता उसकी मां बंद कमरे में रील्स बनाती रहती। वह कई आवाजे देता, मां..मां.. दरवाजा खोलो...। थोडी देर बाद मां दरवाजा खोल कर गुस्से में बोली क्यों चिल्ला रहा हैं।

पता है, न मैं रील्स बना रही हूं। रोहित छोटा सा मूंह बना कर खुद ही अपने लिए खाना निकाल कर खा लिया ...। कुछ महीनो तक ऐसा ही चलता रहा। रोहित भी अपनी पढ़ाई में व्यस्त हो गया।

मां भी अपनी सिलाई छोड़ रील्स बनाने में व्यस्त रहने लगी। रोहित के पिता का तो सोशल साइड से तो दूर दूर तक कोई लेना देना नही था । वह तो बस अपनी छोटी सी नोकरी में ही व्यस्त रहता।

रोहित के कई दोस्त मोबाईल के शौकीन थे..। वह कई बार रोहित को भी रील्स देखने के लिए फोर्स करते किंतु रोहित देखने से मना कर देता..,।

दोस्तों की जिद्द से कभी कभी देख भी लेता था । रोहित के एग्जाम भी नजदीक आ गए थे..। वह अपनी पढ़ाई को लेकर ज्यादा सिरियस रहता। अब वह नियमित स्कूल जाता पढाई करता।

रोज की तरह आज भी वह स्कूल जा रहा था, तभी रास्ते में कुछ लोग उसे हंसते हुए देख बोले, देख इसके घर ही सेक्सी बम्ब है। वह कुछ भी समझ न सका।

स्कूल पहुंचा तो उसके स्कूल के दोस्त भी उसको देख हंसने लगे..। रोहित को आज सबका व्यवहार अलग लग रहा था। लोग उसे देख बातें करते हुए हंस रहे थे। एक बारहवी क्लास के बच्चे ने तो रोहित को बोल भी दिया। क्या यार तेरे घर पर तो सेक्सी बम्ब रखा हुआ है, वाह क्या सेक्सी डान्स किया तेरी मां ने... !

अंग अंग दिखा दिया..बोल कर हंसने लगा यह सुन रोहित को गुस्सा आ गया, और वह उस लड़के से लड़ गया ! एक दूसरे खूब मारा, किन्तु रोहित छोटा होने के कारण ज्यादा घायल हो गया।

टिचर्स ने बीच बचाओ कराया। रोहित का दोस्त बोला देख भाई तेरी मम्मी को ऐसी रील नही बनानी चाहिए थी। सब लोग गंदी-गन्दी बाते कर रहें है। यह सुन रोहित को कुछ भी समझ नही आ रहा था। उसके दोस्त ने रील्स दिखाई, वह शर्म से नजरे झूका लेता..।

उसकी आंखो में गुस्सा अलग ही दिख रहा था। जल्दी जल्दी वह घर गया। रोहित ने जोर जोर से आवाज लगाई मां.....मां....कहां हो..., मां बाहर आई और बोली देख कितने लाइकस हो गए मेरी रील्स पर...। रोहित बोला मां इतनी गंदी रील्स बनाते हुए शर्म नही आई तुम्हें।

मां बोली क्यों क्या हुआ ? ऐसा क्यो बोल रहा हैं? सब लोग कैसी कैसी गंदी बातें बना रहे हैं। मां बोली मुझे क्या करना किसी से ! मां तुमको कुछ नही करना, पर लडके मुझे भी गंदी गंदी बाते बोल रहे हैं।

माँ बेटे में बहुत बहस हुई, किन्तु सविता लाइक्स कमैंट्स और फॉलोवर्स में इतनी डूब गई थी कि उसको रोहित की बातें बेफिजूल ही लग रही थी। आखिर में रोहित रोते रोते खुद को कमरे में बंद कर लेता। सविता फिर अपनी रील्स में लग जाती है, काफ़ी समय होने के बाद वह रोहित के कमरे का दरवाजा बजा कर आवाज देती है किन्तु अंदर से कोई आवाज नहीं आती, आखिरकार वह खिड़की से अंदर देखती तो उसके होश उड़ जाते...., पंखे पर..... ! ! ! !

स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखिका
48 राजस्व कॉलोनी रतलाम (मध्य प्रदेश)

शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो झड़ने लगेंगे बाल

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए-

जोर से रगडऩा

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगडऩे से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार-बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार-बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का

इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

नाक पर पड़े चश्मे के दाग, इन नुस्खों से हटाए इन्हें

वर्तमान समय में देखने को मिलता हैं कि हर पांचवे शख्स की आंखों पर चश्मा लग चुका हैं, बड़े तो बड़े, बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। जिनकी आंखों पर पावर का चश्मा लगा होता है उनकी सबसे बड़ी समस्या यह होती है उन्हें हमेशा चश्मा पहने रहना पड़ता है।

लगातार कई घंटो तक रोज चश्मा पहनने की वजह से हमारी नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। नाक पर पड़े चश्मे के ये दाग चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं। लेकिन घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों का उपयोग करके आप आसानी से इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको बताने वाले है नाक पर बने चश्मे के काले निशानों को हटाने के तरीको के बारे में। आइये जानते हैं...

खीरा

खीरा खूब खाएं भी और इसे चश्मे के निशान को हटाने के लिए इस्तेमाल भी करें। छोटे-छोटे टुकड़े काट कर निशान वाली जगह पर रखें या फिर पेस्ट बनाकर लगाएं। 10 मिनट के लिए सूखने दें फिर पानी से साफ कर लें। खारी त्वचा को कूलिंग एफेक्ट देता है। विटामिन के होता है, जो त्वचा को चमक प्रदान करता है। दाग-धब्बों को कम करता है।

एलोवेरा

एलोवेरा की पत्ती को बीच से काट लें और उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इसके पेस्ट को नाक पर बने हुए निशान पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-एजिंग गुण पाए जाने के कारण यह नाक पर बनने वाले निशान को कुछ दिनों में गायब कर देगा।

टमाटर

टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में बहुत कारगर होता है। इसमें एक्सफोलिएशन का गुण पाया जाता है। जिससे आपके चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। अपने चेहरे और नाक के काले धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पेस्ट बनाकर लगाएं। इसके उपयोग से कुछ ही दिनों में आपके नाक के दाग दूर हो जाएंगे।

आलू

आलू में कई प्राकृतिक गुण होते है और इसलिए यह हमारे स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आलू में कुछ ऐसे तत्व होते है तो चेहरे के दाग धब्बों को हटाने में कारगर साबित होते है। इसलिए आंखों के नीचे और नाक पर काले निशानों को हटाने के लिए कच्चे आलू को छिलकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने आंखों के आस पास लगाएं और पद्रंह मिनट के लिए छोड़ दें। प्रदंह हमनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का रस

इसे लगाने से भी त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर किया जा सकता है। नींबू के रस को आप चश्मे के निशान वाली जगह पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी से साफ कर लें। नींबू के रस में मौजूद ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज दाग-धब्बों को कम कर चेहरे में निखार लाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी रखते हैं, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं।

संतरे के छिलके

ताजे संतरे के छिलके का उपयोग करके भी चश्मे के कारण पडने वाले निशान को दूर किया जा सकता है। संतरे के छिलके को पीसकर इसमें हल्का सा दूध मिला लें और निशान वाली जगह पर हल्के हाथों मालिश करें। एंटीसेप्टिक और हीलिंग का गुण होने के कारण यह नाक पर पडने वाले निशान को गायब कर सकता है।

शहद लगाएं

नाक पर चश्में के कारण बने काले निशानों को हटाने के लिए शहद और दूध को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें थोड़ा सा जई का आटा भी मिलाएं। इस पेस्ट को निशान वाली जगह पर लगाएं।

इसे चेहरे पर बीस मिनट तक लगे रहने दें फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे रोज लगाने की कोशिश करें। निशान जरूर दूर हो जाएंगे।

बादाम तेल

बादाम के तेल में विटामिन इ की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो स्किन पर मौजूद किसी भी तरह के निशानों को दूर करने की क्षमता रखता है। अगर आपके नाक पर भी चश्मा पहनने के कारण निशान पड़ गए है तो एक बार इस उपाय का इस्तेमाल करके देखें। इसके लिए रात को सोने से पहले रोजाना अपनी नाक के दाग वाले हिस्से पर बादाम तेल से मालिश करें। कुछ ही दिनों में दाग हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

गुलाबजल

ग्लोइंग और खूबसूरत त्वचा के लिए गुलाबजल का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जाता है लेकिन क्या आप जानती है की इसकी मदद से आप अपनी नाक पर पड़े चश्मे के दागों को भी हमेशा के लिए हटा सकती है। इसके लिए रात को सोने से पहले रुई से अपनी नाक पर गुलाबजल लगाएं। नियमित रूप से इसका प्रयोग करने से आपके दाग हमेशा के लिए दूर ही जाएंगे।

शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है। आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकते देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर

शरीर में इसकी पूर्ति की जाए। अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

BNM Fantasy
Saturday
30 September 2023

फिल्म 'गणपथ' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की फिल्म ''गणपथ: ए हीरो इज बॉर्न'' का टीजर रिलीज हो गया है। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म का टीजर रिलीज होते ही वायरल हो गया। फिल्म ''गणपथ' का टीजर दर्शकों को एक अलग ही दुनिया में ले गया है। अब हर कोई इस फिल्म को बड़े पर्दे पर अनुभव करने के लिए काफी उत्साहित है। एक बार फिर टाइगर श्रॉफ एक अलग अवतार में दर्शकों से मिलेंगे। उनके इस अवतार को देखकर अब लग रहा है कि वह शाहरुख और सलमान खान को टक्कर देंगे। फिल्म ''गणपथ' का टीजर हर किसी को एक अलग दुनिया में ले जाता है। यह एक ऐसी दुनिया है जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा।

क

कई सालों बाद साथ दिखे श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और एक्टर आदित्य रॉय कपूर की ऑनस्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। श्रद्धा-आदित्य की जोड़ी पहली बार फिल्म 'आशिकी-2' में साथ नजर आई थी। फिल्म 'ओके जानू' के बाद उनके फैंस इस जोड़ी को एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। इस तरह सोशल मीडिया पर आदित्य-श्रद्धा का नया वीडियो वायरल हो रहा है। श्रद्धा और आदित्य दोनों एक ही समय पर टी-सीरीज के गणपति बप्पा के दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान पपराजी ने आदित्य को बताया कि श्रद्धा भी वहां मौजूद हैं। मुलाकात के बाद दोनों ने मुस्कुराते हुए एक-दूसरे को गले लगाया और एक-दूसरे से सवाल पूछे। दोनों का ये वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसी अफवाहें थीं कि 'आशिकी-2' के बाद आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन 2015 में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने कहा था, "हम दोनों अच्छे दोस्त हैं और हमेशा रहेंगे।" इस वायरल वीडियो पर नेटिज़ेंस ने पूछा, "आदित्य-श्रद्धा जल्द ही एक साथ फिल्म करेंगे", "अनन्या क्यों नही आईं?" ऐसी अफवाह है कि आदित्य रॉय कपूर फिलहाल स्टारकिड अनन्या पांडे को डेट कर रहे हैं। स्पेन में दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

बोलीं- कैमरा हमेशा से मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा

जान्हवी कपूर ने बचपन को किया याद

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी निजी जिंदगी या फिल्मों को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जान्हवी ने अपनी निजी जिंदगी की एक घटना के बारे में बड़ा खुलासा किया। यह घटना तब घटी जब वह महज 10 साल की थीं। चौंकाने वाली घटना तब हुई जब पपराज़ी ने सबसे पहले उसकी तस्वीरें लीं। जान्हवी ने कहा, "कैमरा हमेशा से मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है। जब हम बच्चे थे तो हम बाहर जाते थे और लोग हमारी अनुमति के बिना हमारी तस्वीरें लेते थे। जब मैं दस साल की थी और चौथी कक्षा में थी, मेरी एक तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो गई। जब मैं कंप्यूटर लैब में गई, तो मैंने कंप्यूटर स्क्रीन पर अपनी पपराज़ी की तस्वीर देखी। जान्हवी ने कहा कि वह बचपन में असहज रहती थीं। इसलिए उसके दोस्त उससे दूर रहते हैं। "मुझे नहीं लगता कि वे मुझे समझ सकते हैं। वे मुझे पसंद नहीं करना चाहते। मुझे समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है? जान्हवी ने इन्टरव्यू कहा,"मेरे दोस्त मुझे अलग नजरिए से देखते थे, मैं वैक्सिंग नहीं करती थी, इसलिए वे मेरा मजाक उड़ाते थे।" उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा,"जब मेरी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई तो मैं हैरान रह गई। किसी ने मेरी तस्वीरें संपादित कीं और उन्हें वयस्क पेजों और अश्लील साइटों पर पोस्ट कर दिया। बाद में मैंने वह तस्वीर लगभग हर वयस्क पेज पर देखी। ये देखकर मैं हैरान रह गई। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि लोगों ने उन संपादित तस्वीरों को असली मान लिया। आजकल AI (Artificial Technology) इन चीज़ों को बड़े पैमाने पर बढ़ा रही है। जान्हवी ने कहा,"यह चिंता का विषय है।"